



परीक्षा पर चर्चा: परीक्षा की चुनौतियों के माध्यम से छात्रों का मार्गदर्शन करने वाली एक दिल से दिल की बातचीत

7 फरवरी 2026

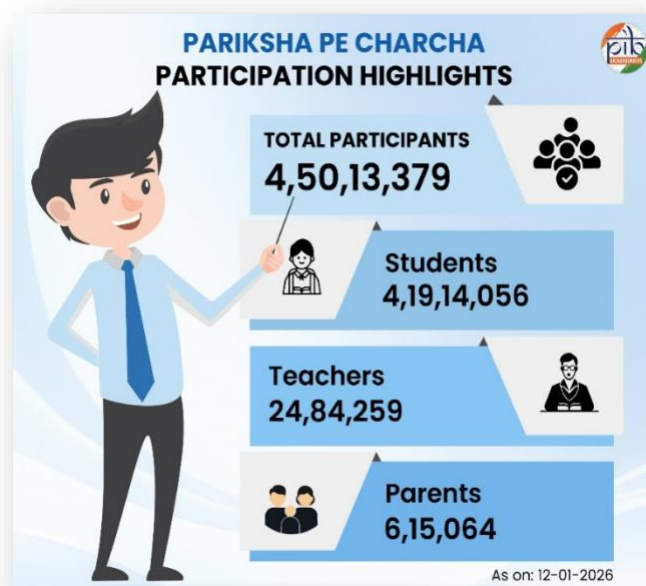
मुख्य बिंदु

- 2018 में शुरू की गई, परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी) एक वार्षिक राष्ट्रव्यापी इंटरैक्टिव पहल है जहां प्रधान मंत्री छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ परीक्षाओं, जीवन कौशल और कल्याण पर बातचीत करते हैं।
- पीपीसी **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुभवात्मक और वैचारिक शिक्षण ढांचे** के साथ संरेखित होकर तनाव मुक्त परीक्षाओं, भावनात्मक लचीलेपन और समग्र विकास को बढ़ावा देता है।
- पीपीसी छात्रों को **'योद्धा बनें, चिंता करने वाले नहीं' मानसिकता** के माध्यम से आत्मविश्वास, अनुशासित तैयारी और लचीलेपन को बढ़ावा देते हुए परीक्षाओं को सकारात्मक रूप से देखने के लिए प्रोत्साहित करता है।
- **2025 बेंचमार्क:** पीपीसी 2025 ने **5 करोड़ से अधिक प्रतिभागियों को दर्ज किया** और 3.53 करोड़ पंजीकरणों के साथ **गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल किया**, जो इसकी सबसे बड़ी वैश्विक भागीदारी मील का पत्थर है।
- **पैन-इंडिया विस्तार 2026:** पीपीसी 2026 ने पांच क्षेत्रों में कई शहरों के बीच संवाद- की शुरुआत की, जिसमें **देवमोगरा, कोयंबटूर, रायपुर, गुवाहाटी और 7 लोक कल्याण मार्ग, दिल्ली** में इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए गए, जिससे समावेशिता और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को मजबूत किया गया।

प्रस्तावना: "परीक्षा योद्धा" की सुबह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा **2018** में शुरू की गई परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी) एक राष्ट्रव्यापी पहल है, जिसका उद्देश्य छात्रों के बीच परीक्षा के तनाव को कम करना और समग्र शिक्षा को बढ़ावा देना है। स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित, पीपीसी एक अनूठा मंच प्रदान करता है जहां प्रधानमंत्री छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ सीधे बातचीत करते हैं, जिससे परीक्षाओं के प्रति आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया जाता है। यह कार्यक्रम एक जन आंदोलन के रूप में विकसित हुआ है, 2025 संस्करण में 5 करोड़ से अधिक छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों की भागीदारी देखी गई। यह इसकी व्यापक राष्ट्रव्यापी पहुंच को दर्शाता है। पीपीसी **राष्ट्रीय शिक्षा नीति** के तहत छात्र-केंद्रित शिक्षा के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप समय प्रबंधन, भावनात्मक कल्याण, संतुलित जीवन शैली और वैचारिक शिक्षा को बढ़ावा देता है।

परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी 2026) के 9वें संस्करण ने देश भर के छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से **4.5 करोड़ से अधिक पंजीकरण** को पार करते हुए भागीदारी का और विस्तार किया है, जो परीक्षा से संबंधित तनाव को दूर करने और छात्र कल्याण को बढ़ावा देने में इसकी निरंतर प्रासंगिकता को रेखांकित करता है। पीपीसी 2026 के हिस्से के रूप में, राष्ट्रव्यापी छात्र सहभागिता गतिविधियाँ 12 जनवरी 2026 (राष्ट्रीय युवा दिवस) से 23 जनवरी 2026 (पराक्रम दिवस) तक आयोजित की गईं। **स्वदेशी संकल्प दौड़** के साथ शुरू हुई ये गतिविधियाँ छात्रों के बीच आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देती हैं, और चयनित केंद्रीय विद्यालयों में प्रश्नोत्तरी और लेखन प्रतियोगिताओं के साथ समाप्त हुई, जिससे छात्रों की भागीदारी और जागरूकता को और मजबूत किया गया।



यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के मूल सिद्धांतों को दर्शाती है, जो रटकर याद करने के स्थान पर तनाव मुक्त, अनुभवात्मक और वैचारिक शिक्षा को बढ़ावा देती है। संवादात्मक बातचीत के माध्यम से, प्रधानमंत्री छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को व्यावहारिक और भरोसेमंद मार्गदर्शन प्रदान करते हुए प्रभावी समय प्रबंधन, डिजिटल विकर्षणों का प्रबंधन, मस्तिष्क को सचेत बनाए रखने और भावनात्मक लचीलापन बनाने जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डालते हैं।

परीक्षा पे चर्चा 2026 की दिलचस्प झलकियाँ

7 लोक कल्याण मार्ग (एलकेएम) पर विशेष बातचीत

परीक्षा पे चर्चा 2026 में **7 लोक कल्याण मार्ग, नई दिल्ली** से बातचीत के दौरान कई यादगार और आकर्षक पल सामने आए। 2026 के संस्करण में 4.5 करोड़ से अधिक पंजीकरण हुए। अतिरिक्त 2.26 करोड़ प्रतिभागी संबंधित गतिविधियों में शामिल हुए, जिससे कुल मिलाकर 6.76 करोड़ से अधिक व्यक्तियों की भागीदारी हुई।

प्रधानमंत्री ने नाश्ते के दौरान छात्रों को आश्चर्यचकित किया, जिससे उनका उत्साह और ऊर्जा काफी बढ़ गई। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाते हुए छात्रों को असमिया गमोसा भी प्रस्तुत किया। छात्रों ने सक्रिय रूप से परीक्षाओं से संबंधित अपने डर साझा किए और उन्हें दूर करने के लिए रणनीतियों पर चर्चा की। कई प्रतिभागियों ने एग्जाम वॉरियर्स पुस्तक से अंतर्दृष्टि भी साझा की, जिसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया कि कैसे इसके संदेश उन्हें तनाव को प्रबंधित करने और फोकस में सुधार करने में मदद करते हैं। छात्रों ने प्रधानमंत्री को कई उपहार दिए, जिनमें हस्तनिर्मित गुलदस्ते, पुनर्नवीनीकरण सामग्री से तैयार की गई वीणा, असमिया गमोसा, सिक्किम की जैविक चाय की पत्तियाँ और रचनात्मकता और सांस्कृतिक समृद्धि को प्रतिबिंबित करने वाली पारंपरिक मिठाइयाँ शामिल थीं।

पीपीसी का राष्ट्रव्यापी विस्तार

2026 संस्करण वास्तव में अखिल भारतीय कार्यक्रम में पीपीसी के ऐतिहासिक विस्तार का प्रतीक है। पहली बार, देश के विभिन्न क्षेत्रों में कई स्थानों पर बातचीत आयोजित की जाती है, जिसमें **कोयंबटूर (तमिलनाडु)**, रायपुर (छत्तीसगढ़), देवमोगरा (गुजरात), गुवाहाटी (असम) और नई दिल्ली शामिल हैं।



सबसे विशिष्ट बातचीत में से एक असम में हुई, जहां सत्र का आयोजनों **ब्रह्मपुत्र नदी** पर एक क्रूज पर किया गया था, जो क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और अभिनव सामुदायिक संपर्क का प्रतीक था।

स्तर और भागीदारी: पहल से जन आंदोलन तक

पीपीसी की शुरुआत 2018 में मामूली रूप से हुई नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में एक टाउन-हॉल शैली के कार्यक्रम के रूप में, जिसमें 2,500 से अधिक छात्रों ने व्यक्तिगत रूप से भाग लिया, और अनुमानित 8.5 करोड़ दर्शकों ने दूरदर्शन, टीवी और रेडियो के माध्यम से इसे देखा। उद्घाटन संस्करण ने समग्र विकास और लचीलेपन पर ध्यान केंद्रित किया, जो एक वार्षिक परंपरा बनने की दिशा तय करेगा।

2019 में, कार्यक्रम का विस्तार हुआ, जो 90 मिनट से अधिक समय तक चला और इसमें प्रतिभागियों को शामिल करने के लिए हास्य को शामिल किया गया। **2020** संस्करण ने भारत और विदेश के 25 देशों से 2.63 लाख प्रविष्टियों के साथ एक ऑनलाइन प्रतियोगिता शुरू की, जिसमें विकास के अवसरों के रूप में चुनौतियों पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम को कोविड-19 महामारी के दौरान उल्लेखनीय रूप से स्वीकार किया गया। **2021** में, यह 7 अप्रैल को पूरी तरह से ऑनलाइन स्थानांतरित हो गया, जो कठिन समय में स्वीकारता और लचीलेपन पर प्रकाश डालता है। नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में **2022** में व्यक्तिगत प्रारूप में लौटते हुए, इसने टीवी और यूट्यूब पर लगभग 9.69 लाख छात्र दर्शकों, 47,200 कर्मचारियों और 1.86 लाख अभिभावकों को आकर्षित किया।

27 जनवरी को आयोजित **2023 संस्करण** में करीब 7.18 लाख छात्रों, 42,337 कर्मचारियों और 88,544 अभिभावकों ने लाइव देखा, जिससे तनाव प्रबंधन में इसकी भूमिका मजबूत हुई।

2024 तक, पीपीसी लगभग 3,000 प्रतिभागियों के साथ टाउन-हॉल प्रारूप में भारत मंडपम में स्थानांतरित हो गया, जिसमें पहली बार एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) के 100 छात्र शामिल थे, और MyGov पोर्टल पर 2.26 करोड़ पंजीकरण प्राप्त किए।

2025 संस्करण ने 5 करोड़ से अधिक प्रतिभागियों के साथ एक नया मानक आधार स्थापित किया, **3.53 करोड़ पंजीकरण के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अर्जित किया।** इसमें प्रसिद्ध हस्तियों और सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के विभिन्न स्कूलों के 36 छात्रों के साथ सात एपिसोड शामिल थे।



Source: PIB

In 2025, **Pariksha Pe Charcha** entered the **Guinness World Records**, with participation from **students in over 245 countries, teachers from 153 countries, and parents from 149 countries**, showcasing its global reach.

अब 2026 में अपने 9वें संस्करण में, पीपीसी ने 4.5 करोड़ पंजीकरण को पार कर लिया है, कुछ रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि भागीदारी 6.76 करोड़ से अधिक प्रतिभागियों तक पहुंच गई है।

यह वृद्धि, हजारों से करोड़ों तक, पीपीसी के जन आंदोलन या लोगों के आंदोलन में परिवर्तन को दर्शाती है, जो युवा प्रतिभाओं को पोषित करने के लिए समाज को एकजुट करने के पीएम मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरित है।

प्रारूप: आकर्षक और समावेशी बातचीत



पीपीसी का प्रारूप सुलभ और आपसी बातचीत के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसकी चयन के लिए MyGov पोर्टल पर एक ऑनलाइन MCQ-आधारित प्रतियोगिता से होती है। विजेताओं को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ सीधे बातचीत करने, परीक्षा, जीवन कौशल और व्यक्तिगत विकास पर प्रश्न साझा करने का मौका मिलता है। मुख्य कार्यक्रम आम तौर पर टाउन-हॉल में होता है। 2025 में, इसकी शुरुआत दिल्ली में सुंदर नर्सरी से हुई, जो प्रकृति के साथ

जुड़ाव पर जोर देने वाला स्थान है, और इसमें सर्दियों के दौरान गर्मी के लिए तिल-गुड़ की मिठाइयाँ वितरित करना शामिल था।

यह पहल रचनात्मकता, आत्म-विश्वास और सकारात्मक सीखने के दृष्टिकोण को बढ़ावा देकर परीक्षा के तनाव को आत्मविश्वास में बदलने का प्रयास करती है। यह प्रतिभागियों को विचार साझा करने और रचनात्मकता व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है तथा एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन में योगदान देता है जो शिक्षा को अधिक आकर्षक और सशक्त बनाता है।

12 से 23 जनवरी तक 2026 के लिए रन-अप गतिविधियों में स्वामी विवेकानन्द जयंती पर स्वदेशी संकल्प दौड़ (आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने वाला एक अभियान) और नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती पर प्रश्नोत्तरी जैसे छात्र-नेतृत्व वाले कार्यक्रम शामिल थे। ये राष्ट्रीय विषयों से जुड़ते हैं, जिससे पीपीसी एक कार्यक्रम से बढ़कर एक सांस्कृतिक उत्सव बन जाता है। 2026 में एक देवमोगरा, कोयंबटूर, रायपुर, गुवाहाटी और दिल्ली के 7 लोक कल्याण मार्ग जैसे शहरों में विशेष एपिसोड होंगे। यह विकेंद्रीकृत दृष्टिकोण संवाद को क्षेत्रीय छात्रों के करीब लाता है, विविध अनुभवों को उजागर करता है और समावेशिता को बढ़ावा देता है।

नए आयामों की खोज: परीक्षा पे चर्चा के माध्यम से सीखने के दायरे का विस्तार

परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी) धीरे-धीरे परीक्षाओं पर संवाद से आगे बढ़कर एक ऐसे मंच के रूप में विकसित हो गया है जो शिक्षा को जीवन कौशल, सामाजिक जागरूकता और व्यक्तित्व विकास से जोड़ता है। इसके विस्तारित विषय छात्र विकास के लिए व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाते हैं, युवा शिक्षार्थियों को जिम्मेदार, संतुलित और भविष्य के लिए तैयार दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

पर्यावरण जागरूकता को एकीकृत करना पीपीसी तेजी से पर्यावरणीय जिम्मेदारी पर जोर देती है, जिससे छात्रों को सीखने को स्थिरता और जीवन शैली विकल्पों के साथ जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। **"एक पेड़ माँ के नाम"** अभियान, जो बातचीत के दौरान उजागर हुआ, छात्रों को अपनी माताओं के सम्मान में पेड़ लगाने, प्रकृति के साथ भावनात्मक बंधन को बढ़ावा देने और संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है। यह पहल सरकार के **मिशन LIFE (पर्यावरण के लिए जीवन शैली)** के अनुरूप है, जो छात्रों के बीच पर्यावरण प्रबंधन का पोषण करते हुए टिकाऊ आदतों और प्राकृतिक संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग को प्रोत्साहित करती है।

समग्र कल्याण को बढ़ावा देना पीपीसी लगातार अकादमिक तैयारी के साथ-साथ **शारीरिक और मानसिक कल्याण** के महत्व पर प्रकाश डालता है। छात्रों को तनाव को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए स्वस्थ आहार की आदतें, संतुलित जीवन शैली और सचेत मस्तिष्क प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। ध्यान केंद्रित करने, चिंता को कम करने और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ाने, शैक्षणिक सफलता, शारीरिक फिटनेस और भावनात्मक स्थिरता के बीच संबंध को मजबूत करने के लिए कल्याण तकनीकों जैसे श्वास व्यायाम और दिमागदार भोजन को बढ़ावा दिया जाता है।

प्रौद्योगिकी के जिम्मेदार उपयोग को प्रोत्साहित करना पीपीसी डिजिटल प्लेटफार्मों के बढ़ते प्रभाव को पहचानता है और अत्यधिक स्क्रीन समय और डिजिटल विकर्षण की चुनौतियों का समाधान करता है। छात्रों को एकाग्रता में

सुधार, पारस्परिक संचार को मजबूत करने और पारिवारिक संबंधों को बढ़ाने के लिए आवधिक डिजिटल डिटाॅक्स या डिजिटल उपवास का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यह पहल प्रौद्योगिकी को एक रचनात्मक शिक्षण उपकरण के रूप में बढ़ावा देती है, जो ध्यान भटकाने के बजाय डिजिटल संसाधनों के उद्देश्यपूर्ण उपयोग को प्रोत्साहित करती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ तालमेल पीपीसी दृढ़ता से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के दृष्टिकोण का पूरक है, जो आनंदमय, समावेशी और अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा देता है। कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा पहल जैसे **समग्र शिक्षा** और **पीएम-एसएचआरआई स्कूल** का समर्थन करता है, जिसका उद्देश्य पूरे देश में शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच को बढ़ाना है। वैचारिक समझ, रचनात्मकता और समान अवसरों को प्रोत्साहित करके, पीपीसी न्यायसंगत और छात्र-केंद्रित शिक्षा पर एनईपी के फोकस को दर्शाता है।

समावेशिता और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देना पीपीसी भारत की शैक्षिक विविधता को दर्शाते हुए विविध सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि, क्षेत्रों और स्कूल प्रणालियों के छात्रों को एक साथ लाकर समावेशी भागीदारी को बढ़ावा देता है। **2026 संस्करण ने अखिल भारतीय प्रारूप** को अपनाया, जिसमें **देवमोगरा, कोयंबटूर, रायपुर, गुवाहाटी और 7 लोक कल्याण मार्ग, दिल्ली** में आपसी बातचीत के सत्र आयोजित किए गए, जिससे छात्र क्षेत्र-विशिष्ट शैक्षिक चुनौतियों को साझा करने में सक्षम हो सके। संस्करण में **4.5 करोड़ से अधिक पंजीकरण** दर्ज किए गए, जिसमें कुल भागीदारी **6.76 करोड़ से अधिक प्रतिभागियों**, जिसमें छात्र, अभिभावक और शिक्षक शामिल थे, ने पीपीसी के बढ़ते राष्ट्रव्यापी विश्वास और प्रासंगिकता को उजागर किया।

वास्तविक जीवन की उपमाओं के माध्यम से सीखने को प्रासंगिक बनाना पीपीसी जटिल विचारों को सरल बनाने के लिए खेल, दैनिक जीवन और प्रेरणादायक कहानियों से संबंधित उदाहरणों का उपयोग करता है। क्रिकेटर की तरह फोकस बनाए रखना या दिव्यांग छात्रों के बीच सहयोग को उजागर करने वाली कहानियां दृढ़ता, टीम वर्क और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के महत्व को संप्रेषित करने में मदद करती हैं। ये उदाहरण छात्रों को चुनौतियों को बाधाओं के बजाय विकास के अवसर के रूप में देखने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

नेतृत्व और व्यक्तिगत विकास का पोषण अकादमिक मार्गदर्शन से अलग, पीपीसी नेतृत्व और चरित्र-निर्माण पर जोर देता है। यह पहल आत्म-अनुशासन, विश्वास-निर्माण और जैविक प्रतिभा विकास जैसे मूल्यों को बढ़ावा देती है। छात्रों को उदाहरण के तौर पर नेतृत्व करने और साथियों का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करके, पीपीसी समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए तैयार जिम्मेदार और आत्मविश्वासी व्यक्तियों को विकसित करने में मदद करता है।

इन विस्तारित आयामों के माध्यम से, परीक्षा पे चर्चा एक गतिशील मंच में तब्दील हो गया है जो न केवल परीक्षा की तैयारी बल्कि व्यापक जीवन कौशल, सामाजिक जिम्मेदारी और व्यक्तिगत विकास को भी संबोधित करता है, जो अच्छी तरह से और भविष्य के लिए तैयार है।

सकारात्मक मानसिकता का विकास

मनोसामाजिक कल्याण: पीपीसी ने सरकार की **मनोदर्पण पहल**, जो शिक्षा मंत्रालय के तहत एक राष्ट्रीय मनोसामाजिक सहायता और मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन है, को पूरक बनाकर छात्रों के मानसिक कल्याण को मजबूत किया है।

परीक्षा की चिंता और शैक्षणिक दबाव पर खुली बातचीत को प्रोत्साहित करके, पीपीसी ने मदद मांगने को कम करने में मदद की है और छात्रों को अपेक्षा से संबंधित तनाव पर खुलकर चर्चा करने के लिए सशक्त बनाया है।

समय प्रबंधन और सूक्ष्म-योजना: पीपीसी इंटरैक्शन ने व्यावहारिक समय-प्रबंधन तकनीकों को बढ़ावा दिया है। प्रधानमंत्री के "समय-प्रबंधन आदर्श भूमिका के रूप में माताओं" के संदर्भ ने छात्रों को संरचित अध्ययन योजना अपनाने, कठिन विषयों को प्राथमिकता देने और अंतिम समय में परीक्षा के तनाव को कम करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

'एग्जाम वॉरियर' दर्शन: पुस्तक *एग्जाम वॉरियर्स* से प्रेरित होकर, पीपीसी आत्मविश्वास, अनुशासन और लचीलेपन पर निर्मित सकारात्मक सीखने की मानसिकता को बढ़ावा देता है। **"योद्धा बनें, चिंता करने वाले नहीं"** जैसे अभियान विषयों ने सरकारी डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर व्यापक जुड़ाव हासिल करते हुए आशावाद और आत्म-विश्वास के साथ परीक्षाओं में भाग लेने के संदेश को मजबूत किया है।

निष्कर्ष: भारत के युवाओं के लिए एक स्थायी विरासत

परीक्षा पे चर्चा अब केवल परीक्षा पूर्व अनुष्ठान नहीं रह गया है; यह एक ऐसा आंदोलन है जो प्रत्येक बच्चे के अद्वितीय व्यक्तित्व का जश्न मनाता है। प्रधान मंत्री कार्यालय और कक्षा के बीच की दूरी को पाटकर, इसने युवाओं में अपनेपन और आत्मविश्वास की भावना पैदा की है। जैसे-जैसे भारत *विकसित भारत 2047* की ओर बढ़ रहा है, पीपीसी यह सुनिश्चित करता है कि देश का भविष्य, उसके छात्र लचीला, तनाव मुक्त और दुनिया का सामना करने के लिए तैयार हों।

संदर्भ

पत्र सूचना कार्यालय

- <https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2214547®=3&lang=2>
- <http://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2212177>
- <https://www.pib.gov.in/PressReleaseFramePage.aspx?PRID=2101104®=3&lang=2>
- <https://www.pib.gov.in/PressReleaseDetailm.aspx?PRID=2101327®=3&lang=2>
- <https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1887647®=3&lang=2>

डीडी न्यूज

- <https://ddnews.gov.in/en/pm-modis-pariksha-pe-charcha-sets-guinness-world-record-with-3-53-crore-registrations/>
- <https://ddnews.gov.in/pariksha-pe-charcha-prime-minister-modi-seen-in-a-new-avatar-with-children-in-delhis-beautiful-nursery/>
- <https://ddnews.gov.in/en/pariksha-pe-charcha-2026-goes-pan-india-engages-over-6-76-crore-participants/>

पीएम इंडिया (प्रधानमंत्री वेबसाइट)

- https://www.pmindia.gov.in/en/news_updates/pm-calls-upon-everyone-to-watch-the-special-pariksha-pe-charcha-episode-with-exam-warriors-in-devmogra-coimbatore-raipur-guwahati-and-at-7-lkm-in-delhi/
- https://www.pmindia.gov.in/en/news_updates/pm-interacts-with-students-during-pariksha-pe-charcha-2025/
- https://www.pmindia.gov.in/en/news_updates/pms-address-during-the-interaction-with-students-teachers-and-parents-at-pariksha-pe-charcha-2024/
- https://www.pmindia.gov.in/en/news_updates/pms-address-during-the-interaction-with-students-teachers-and-parents-at-pariksha-pe-charcha-2023/

भारतीय मिशनस

- <https://cgichicago.gov.in/section/news/9th-edition-of-pariksha-pe-charcha-ppc-2026/>

शिक्षा मंत्रालय

- <https://manodarpan.education.gov.in/>

पीआईबी रिसर्च

पीके/केसी/एनएस